तेरी और ही ये मन भागे

नैना श्याम है तुझसंग लागे प्रीत के बंध के नाजुक धागे,
मन पे जोर न चलता कोई तेरी और ये मन भागे,
नैना श्याम है तुझसंग लागे प्रीत.....

श्याम मैं तेरी राधा नहीं हु,
फिर भी हु तेरे प्रेम की प्यासी,
मुझको शरण में अपने भुला लो,
मैं भी हु तेरे चरणों की दासी,
मन मेरा तुझ बिन श्याम ना लागे,
तेरी और ही ये मन भागे.....

मनमोहन तेरी मुरलीयां मीठा सा दिल में दर्द जगाये,
होश रहे न अपनी खरब कुछ जब जब श्याम तू मुरली भजाये,
मन के तारो में सुर से जागे तेरी और ही मन भागे
तेरी और ही ये मन भागे.....

खुद से मैं हर पल करती हु बाते मुझको ना जाने क्या हो गया है,
प्रीत में तेरे सुध विसरा के मन बांवरा तुझ में खो गया है,
बेबस हुई मैं तेरे आगे,
तेरी और ही ये मन भागे.....

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/5713/title/naina-shyam-hai-tujh-sang-laage-preet-ke-bandh-gaye-najuk-dhaage

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |